मौर्य शासक सम्राट अशोक के अभिलेख

भाग:-5

डॉ विभूति भूषण

सहायक प्राध्यापक (अतिथि)

प्राचीन इतिहास विभाग

SNSRKS COLLEGE SAHARSA

अशोक के अभिलेख से संबंधित महत्वपूर्ण बातें

अभिलेखों से पता चलता है की अशोक प्रथम शासक था जिसने वन्य जीव अभ्यारण्य, पशु चिकित्सालय आदि की स्थापना करवाया.

व्यक्तिगत रूप से अशोक ने कलिंग के युद्ध के ढाई वर्षो के बाद बौद्ध धर्म ग्रहण कर लिया.

अपने अभिलेख में वह जनता से धर्म पालन के लिए कहता है. उसके अनुसार उसका धर्म निम्न है

- लोगों को माता-पिता की आज्ञा माननी चाहिए
- ब्राह्मणों तथा श्रवणों का सम्मान करना चाहिए.
- नौकरों तथा दासों के साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए
- अकारण दूसरों के अधर्म की निंदा नहीं करनी चाहिए. ऐसा करके व्यक्ति खुद के धर्म की निंदा करता है.
- जीव हिंसा से दूर रहना चाहिए.
- धन का संचय नहीं करना चाहिए तथा मितव्ययी होना चाहिए.

उपर की वर्णित बातों के लिए अशोक कहता है की ये धम्म के तत्व है. दुसरे स्तम्भ लेख में वह प्रश्न करता है की "धम्म क्या है". सातवें स्तम्भ लेख में उसका उत्तर देता है "दया दाने सचे सोचवे साधवे च".